Shodh Sanchay
Shree Naroda Kelavani Mandal Sanchalit
SMT. A.P. PATEL ARTS & LATE SHREE N.P. PATEL COMMERCE COLLEGE
Shree Prahladbhai Kashidas Patel Vidhya Sankul, Naroda, Ahmedabad-382330.
Reaccredited by NAAC with B Grade Third Cycle | Accredited - by 'AAA'= 4 Star
Phone : 079-22816582, M.: 8866388134 E-mail : narodacollage1993@yahoo.com

‘मानवता के मसीहा- डॉ. सूरज सिंह नेगी’

डॉ. जशाभाई पटेल , एसोसियेट प्रोफेसर (हिंदी विभाग), श्रीमती एपी पटेल आर्ट्स एण्ड स्वर्गीय श्री एनपी पटेल कॉमर्स कॉलेज,नरोड़ा ,अहमदाबाद, गुजरात-382330, सचल दूरभाष-9925091825

Paper Abstract- आधुनिक साहित्यकार एवं प्रशासनिक जिम्मेदारियों को बखूबी निभाते हुए परिवार के प्रति समर्पित डॉ.सूरज सिंह नेगी जी आज के विविध वर्ग के आदर्श बने हुए हैं।बाल वर्ग,युवा वर्ग,आधेड़ वर्ग,स्त्री वर्ग,वृद्ध वर्ग आदि के लिए न सिर्फ साहित्य सृजन किया बल्कि जमीनी स्तर पर प्रत्यक वर्ग के लिए विविध सामाजिक मुहिम चलाकर मानवता की ज्योत जलाकर समाज में प्रकाश फैलाया है।हिंदी के बहुचर्चित एवं सम्मानिय लेखक डॉ. सूरज सिंह नेगी जी का साहित्य आज के समाज हेतु न सिर्फ प्रेरणा है बल्कि आज के युवानों का पथदर्शन भी है। डॉ.नेगी जी ने साहित्य के जरिए अद्यतन सामाजिक, सांस्कृतिक, पारिवारिक, शैक्षणिक एवं मनोवैज्ञानिक सभी दृष्टिकोण से जुड़ी यथार्थ परिस्थितियों को पाठक के सम्मुख रखा है और अंततः आदर्श स्थिति तक पहुंचाने का समाधान भी बताया है। डॉ.सूरज सिंह का व्यक्तित्व मानवता के आदर्श को लेकर चलने वाला है तब उनकी कार्यान्विती से परिचित करवाने का यहाँ प्रयत्न किया गया है।

Paper Keywords - डॉ.सूरज सिंह नेगी ,वर्ग, मानवीय मूल्य, समाज, पुरस्कार,प्रशासन

पेपर का शीर्षक-‘मानवता के मसीहा- डॉ. सूरज सिंह नेगी’

हिंदी के बहुचर्चित एवं सम्मानित लेखक डॉ. सूरज सिंह नेगी जी का साहित्य अद्यतन समाज हेतु न सिर्फ प्रेरणा है बल्कि जीवन दायिनी शक्ति का स्रोत है। प्रशासनिक दायित्वों को कुशलता पूर्वक वहन करने के साथ-साथ समय का उपयोग करते हुए साहित्य सृजन अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। डॉ.नेगी जी ने साहित्य के जरिए अद्यतन सामाजिक, सांस्कृतिक, पारिवारिक, शैक्षणिक एवं मनोवैज्ञानिक सभी दृष्टिकोण से जुड़ी यथार्थ परिस्थितियों को पाठक के सम्मुख रखा है और अंततः आदर्श स्थिति तक पहुंचाने का समाधान भी बताया है। डॉ.नेगी जी के संपूर्ण साहित्य में मानवीय मूल्यों की प्रतिष्ठा का सफल प्रयास किया गया है।आज तक जितने भी प्रशासनिक अधिकारी हुए हैं, उन्होंने अन्य साहित्यकारों की पुस्तकों का विमोचन अवश्य किया किंतु शायद नेगी जी पहले ऐसे प्रशासनिक अधिकारी हैं जिन्होंने स्वयं साहित्य को हाथ में लेकर पुस्तकों की रचना की है। डॉ. नेगी जी नियुक्ति टोंक, राजस्थान में अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट के पद को शोभायमान कर रहे हैं।

साहित्य और विशेषकर हिन्दी भाषा के उन्नयन को समर्पित डॉ. सूरज सिंह नेगी (अतिरिक्त जिला कलेक्टर सवाई माधोपुर) को हिन्दी भाषा विभूषण सम्मान से सम्मानित किया गया । अब तक उन्हें निम्न पुरस्कारों से नवाज़ा जा चुका हैं -

1. फाकिर अजाजी पुरस्कार-2016
2. मनु स्मृति सम्मान-2016
3. डॉ. दुर्गालाल सोमानी पुरस्कार-2016

4. मुन्शी प्रेमचन्द साहित्य सम्राट पुरस्कार-2017
5. उपेंद्रनाथ अश्क पुरस्कार -2019
6. श्री चन्द्रपाल शर्मा 'रसिक हाथरसी' 'स्मृति साहित्य पुरस्कार - 2021 , पं हरप्रसाद पाठक -स्मृति बाल पुरूस्कार समिति मथुरा द्वारा
7. साहित्य श्री-2024 'सम्पर्क साहित्यिक संस्थान' द्वारा

"डॉ. नेगी के कहानी संग्रह 'पापा फिर कब आओंगे' को फाखिर एजाजी अवार्ड एवं डॉ. दुर्गालाल सोमानी हिंदी साहित्य पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया है।"[1] डॉ. नेगी जी को 'ब्लॉक एवं जिला स्तर पर सम्मान' से भी सम्मानित किया गया है। डॉ. नेगी को श्री चन्द्रपाल शर्मा 'रसिक हाथरसी' 'स्मृति साहित्य पुरस्कार - 2021 , पं. हरप्रसाद पाठक -स्मृति बाल पुरूस्कार समिति मथुरा द्वारा भी सम्मानित किया गया हैं। यह सम्मान उनके उपन्यास 'ये कैसा रिश्ता' के लिए दिया गया है। इसके अतिरिक्त साहित्य साधना के लिए डॉ नेगी को कई राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के पुरूस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। हाल में ही जनवरी 2024 में 'सम्पर्क साहित्यिक संस्थान' के गौरवमय छह वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में डॉ सूरज सिंह नेगी जी को साहित्यिक अवदान हेतु 'साहित्य श्री' सम्मान से अलंकृत किया गया। डॉ. नेगी प्रशासनिक कार्यों के निर्वहन के साथ ही फुर्सत के क्षणों में वह अपना अधिकांश समय साहित्य को देते हैं।

विभिन्न विमर्शों के दौर में इस समय में आज सर्वाधिक आवश्यकता वृद्ध विमर्श की है। शब्द रूपी तूलिका से वृद्धजीवन का यथार्थ पाठकों के सामने रखकर

उन्होंने न सिर्फ आधुनिक युवा वर्ग को फटकार लगाई है बल्कि वृद्ध जनों को भी यह एहसास कराने का प्रयत्न किया है कि उनका जीवन सिर्फ उनके परिवार के लिए नहीं है बल्कि संपूर्ण समाज के लिए है। उनके साहित्य में यथार्थ के साथ आदर्श की प्रतिष्ठा हुई हैं। इस संदर्भ में यदि डॉ.नेगी जी को आधुनिक प्रेमचंद भी कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी क्योंकि "जब भोगवादी व्यवस्था युवा पीढ़ी का आदर्श बन गई हो, व्यक्ति का उद्देश्य येन-केन प्रकारेण स्वहित साधना रह गया हो, व्यक्ति के पास कितनी मंहगी, गाड़ियाँ, मोबाईल, आलीशान बंगले ही स्टेट्स सिंबोल बन गये हो, ऐसे में समाज में संवेदनशीलता परहित-परोपकार, सामाजिक सरोकारों की बातें करना कल्पना जैसा प्रतीत हो चला है। आज के विकट दौर में भी कलम के सिपाही मैदान में डटे हैं जो किसी भी बाधा की परवाह किए बगैर अपनी लेखनी से समाज को दिशा दिखाने का काम कर रहे हैं।"[2] डॉ. नेगी जी की पुस्तकों को हम किन्ही शास्त्र से काम नहीं समझ सकते क्योंकि यहां प्रत्येक पुस्तक का एक ही ध्येय वाक्य है- 'परोपकाराय पुण्याय पापाय परपीड़नं।'

डॉ. नेगी जी प्रकाशित कथा साहित्य में दो कहानी संग्रह 'पापा फिर कब आओगे' (2016) तथा 'सांझ के दीप',(2016) चार उपन्यास 'रिश्तों की आंच' (2016), 'वसीयत' (2018), 'नियति चक्र' (2019) तथा 'यह कैसा रिश्ता'(2020) प्रकाशित हो चुके हैं।

'पापा फिर कब आओगे' तथा 'रिश्तो की मिठास' की ओर लौटने को आग्रह करने वाली ये सभी रचनाएं आधुनिक जीवन में संवेदन शून्यता की ओर संकेत करती है।

Shodh Sanchay
Shree Naroda Kelavani Mandal Sanchalit
SMT. A.P. PATEL ARTS & LATE SHREE N.P. PATEL COMMERCE COLLEGE
Shree Prahladbhai Kashidas Patel Vidhya Sankul, Naroda, Ahmedabad-382330.
Reaccredited by NAAC with B Grade Third Cycle | Accredited - by 'AAA'= 4 Star
Phone : 079-22816582, M.: 8866388134 E-mail : narodacollage1993@yahoo.com

बाल्यावस्था से ही डायरी लिखने वाले डॉ. नेगी बताते हैं कि “वे दैनिक डायरी लिखते हैं, प्रशासनिक कार्य करते समय जब भी उनके दिमाग में कुछ नई चीज आती है तो वे उसे अपनी डायरी में लिख लेते हैं और फिर जैसे ही उन्हें समय मिलता है, वैसे ही उसे वो अपने साहित्य में ढालने का प्रयास करते हैं, उनका कहना है कि उनका प्रशासनिक कार्य उनके साहित्य के लिए किसी भी तरह से बाधा नहीं है, बल्कि उनका प्रशासनिक कार्य उनके साहित्य के निखार में अहम रोल अदा करता है।”[3] सच भी है कि अगर किसी में भावना, संवेदना, मानवता आदि गुण नही होंगे तो वह प्रशासनिक कार्य भी सही ढंग से नही कर पाएगा , संवेदना, मानवता और भावना ,आदि आप में होंगे तब ही आप साहित्य के साथ नया कर पाएंगे । डॉ. सूरज सिंह नेगी साहित्य के क्षेत्र में भी अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं। डॉ. नेगी पिछले कई सालों से साहित्य लेखन का काम कर रहे हैं, उनके द्वारा अब तक उपन्यास सहित कहानियाँ, संस्मरण, निबंध, आलेख, समीक्षा, लघु उपन्यास एंव कई आर्थिक एंव सामाजिक विषयों पर आलेख लिखे जा चुके हैं। “वही इन दिनों उनके द्वारा पाती(पत्र) लेखन विधा को लेकर एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जो देश ही नही अपितु विदेशों में भी खासा लोकप्रिय हो रहा है, उनके इस पाती लेखन अभियान से देश के विभिन्न राज्यों सहित विदेशों से भी हजारों लोग जुड़ रहे हैं, पाती लेखन विधा अभियान के तहत उन्हें अब तक करीब 10 हज़ार लोगों के पत्र प्राप्त हो चुके हैं।”[4] पाती मुहिम बच्चों में खोते संस्कारो को पुनर्जीवित करने के प्रति जिम्मेदार है यह समाज में फैल रही विभिन्न

सामाजिक बुराइयों को दूर कर एक समृद्ध समाज के निर्माण को संकल्पबद्ध है। समाज परिवार में बढ़ती खाई को मिटाने के लिए भी पाती परिवार संकल्पबद्ध है।

साहित्यकार व एडीएम डॉ. सूरज सिंह नेगी द्वारा इन पुस्तकों एंव उपन्यासों के अलावा उनके साहित्य कुंदन, दुनिया,घुटनों पर लॉकडाउन, बाल साहित्य, नए भारत की शिक्षा आदि आलेख साझा पुस्तकों में प्रकाशित हो चुके हैं।"अब तक उनके करीब 50 से अभी लेख, आलेख, समीक्षा, संस्करण, उपन्यास, नाटक, कहानी आदि की पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। उनके सामाजिक, आर्थिक विषयों पर करीब दो दर्जन से अधिक निबंध और आलेख विभिन्न समाचार पत्र, अन्य प्रकाशन सामग्री में प्रकाशित हो चुके हैं। वहीं, दुर्योधन की प्रतिज्ञा, चंद्रशेखर आजाद, शहीद भगत सिंह, मास्टर जी नामक नाटक और नील कुमारी बाल उपन्यास अप्रकाशित हैं। जो जल्द ही प्रकाशित होने वाले हैं।"[5] डॉ नेगी जी की कलम आज की युवा पीढ़ी की मानसिकता को सुधारने हेतु तत्पर है इसके लिए साहित्य सदा डॉ सूरज सिंह नेगी जी का आभारी रहेगा।

डॉ. सूरज सिंह नेगी जी द्वारा रचित उपन्यास आधुनिक जीवन में सामाजिक सरोकारों को उत्पन्न करने के उद्देश्य से लिखे गए हैं। वृद्ध विमर्श के सभी उपन्यासों में डॉ. सूरज सिंह नेगी जी के उपन्यास अपना विशिष्ट स्थान रखते हैं। उन्होंने न सिर्फ घर परिवार में बुजुर्ग की स्थिति को दर्शाया है बल्कि एक कार्यालय के भीतर बुजुर्ग के साथ किस प्रकार व्यवहार किया जाता है तथा स्वयं बुजुर्ग किस प्रकार अपने कार्यालय को परिवार के भाव से देखा है इस बात पर भी ध्यान दिया । उन्होंने प्रकृति में मानवीकरण करते हुए वृद्ध विमर्श के उपन्यासों को एक नई दिशा दी है। पत्र एवं

डायरी द्वारा उपन्यास को नई गति देना उनके उपन्यासों की एक अलग विशेषता है। यह पत्र एवं डायरी न सिर्फ उपन्यास में नवीन प्रयोग है बल्कि उपन्यासों का एक विशेष हिस्सा है जिससे संवेदनशीलता का जन्म होता है। इन डायरी तथा पत्रों के जरिए उपन्यास को आगे बढ़ाते हुए उन्हें जन सामान्य से जोड़ा जाता है जन कल्याण की तरफ बढ़ाया जाता है वृद्ध जनों को यह महसूस कराया जाता है कि आज वे हाशिये का हिस्सा नहीं है बल्कि सृजनात्मक कार्यों में जुड़कर समाज को आगे ले जाने वाली विशेष कड़ी है। संवेग, मानवीय संवेदना, परम्परागत मूल्यों को स्थापित करने वाले भाव पूर्ण शब्द डॉक्टर नेगी के कथा साहित्य का परिचय देते हैं। वृद्धों के प्रति संवेदनहीनता के इस युग में इसे और अधिक प्रासंगिक बना देते हैं। यहाँ यह कहना आवश्यक है कि "डॉक्टर नेगी ने अपने साहित्य के माध्यम से पत्र विधा तथा डायरी विधा की प्रासंगिकता को भी सिद्ध किया है। सहज सरल भाषा को अपनाते हुए सूरज सिंह नेगी जी का संपूर्ण साहित्य उपन्यास सम्राट प्रेमचंद के साहित्य के समान आदर्श उन्मुख यथार्थवादी साहित्य है।"[6]

जमीनी हकीकत से रूबरू कराने वाले डॉ. नेगी जी स्वयं व्यवहारिक जीवन में भी मानवीय मूल्य एवं सामाजिक सरोकारों को संवर्धित करने के उद्देश्य से आधुनिक जीवन में नवाचारों से जुड़े प्रयोग करने हेतु प्रसिद्ध है । जिनमें 'विद्यालय में बच्चों को 'स्टार ऑफ स्कूल' 'स्टार ऑफ क्लास' बनने के लिए प्रोत्साहित करना, 'पत्र मुहिम' चलाना, 'पुस्तक बैंक', 'कपड़ा बैंक' 'कंबल बैंक' आदि से जुड़े सकारात्मक प्रयास शामिल है।'[7] बच्चों एवं युवाओं की आदर्श प्रेरणा बनने के साथ-साथ बुजुर्ग जनों को अपनी

अस्मिता से परिचित कराने वाले तथा अपनी साहित्य साधना द्वारा मानवीय मूल्यों की प्रतिष्ठा करने वाले मानवता के मसीहा डॉ. सूरज सिंह नेगी जी को कोटि-कोटि वंदन है...।

1. https://www.bhaskar.com/news/raj-oth-mat-latest-tonk-news 0730031343915-nor.html
2. Samkaleen Vimarshvadi Upanyas / समकालीन विमर्शवादी उपन्यास, भूमिका
3. https://citynewsrajasthan.com/writer-administrative-officer-has-written-many-novels-and-literature-there-is-a-lot-of-discussion-about-pati-writing-style
4. https://citynewsrajasthan.com/writer-administrative-officer-has-written-many-novels-and-literature-there-is-a-lot-of-discussion-about-pati-writing-style
5. https://www.amarujala.com/rajasthan/dr-suraj-singh-negi-is-reviving-the-lost-letter-writing-by-running-a-campaign-in-sawai-madhopur-2023-04-30
6. https://www.setumag.com/2021/08/Suraj-Singh-Negi-Hindi-Novels.html?m=1
7. https://www.youtube.com/watch?v=x4emmLIvHf8 डॉ.सूरज सिंह नेगी डॉक्यूमेंट्री फिल्म